Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. _____

(In words)

Test Booklet No.

D—4306

PAPER—III

RAJASTHANI

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नज़्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उज़र, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिज़्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिज़्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारज़्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निज़्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संज़्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उज़र-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उज़र-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उज़र-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उज़र के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

RAJASTHANI

राजस्थानी

PAPER—III

प्रश्न-पत्र—III

NOTE: This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : औ प्रश्न पत्र दो सौ (200) अंकां शै है अर इणमें चार (4) खण्ड है। परीक्षार्थिया नै इणमें दीमोड़ा सवालां रा जवाब हरेक खण्ड में दियोड़ा निर्देशां मुजब देवणा है।

SECTION - I

खण्ड—I

This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 Marks)

इण खण्ड में निचै लिखिया अवतरण माथै आधारित पाँच (5) सवाल है। हरेक सवाल रौ जवाब लगैटगै तीस (30) सबदां मांय देवौ। हरेक सवाल पाँच (5) अंकां रौ है।

(5x5=25 अंक)

पांच सौ बरसां री आ संत परज़्परा अजै मरूथळी रा जन जन सूं जुड़यौड़ी है। संतवाणी में गूढ़ भगती रो सरस अर सरल रूप देखरं राजस्थान रो मानखो उणसूंजुड़ियां बिना नीं रैय सज़्यौ। भगती नै आड़ज़्बरां सूं दूर कर उणरै निरमळ रूप रा दरसाण कर अठां रो जन न्हाल व्हैगो। जात-पांत, रंग-भेद अर ऊंच-नीच रा भेदभावां सूं दूर ''हरि भजै सो हरि को होय'' - जैड़ी संतवाणी सूं साधारण जन रो लगाव भगती कानी बढ़ण लाग्यौ। कर्मकाण्ड अर आडज़्बरां सूं कोसां दूर कामक़ाज सूं जुड़ाव, संस्क्रति री पंडिताऊ भासा सूं परै, लोक री खुद री भासा रो आधार अर मूरत पूजा रो विरोध-इण संत परज़्परा नै आम आदमी सूं इज़ी गहराई सूं जोड़ दियौ कै बो आज भी उणसूं अळगो नी हूय सज़्यौ है। संतां री भगती आम आदमी सूं जुड़गी। जात अर धरम री संकळाई अर आडज़्बरां माथै संत गहरी चोट करी। भगती री आड में हूवणवाळा आडज़्बरां री पोल खोल भगती रो पुनीत रूप लोगां सामी राज़्यौ। जात-पांत री जूनी रीत-नीत नै तोड़ संत उपदेस दियौ - ''जात न पूछो संत री पूछ लीज्यौ ग्यान।'' ग्यान अर भगती रो मोल संकळाई सूं नीं करियौ जावणो चाइजै। इण भांत संतजन समाज सुधार रो भी भोत बडो काम करियौ।

ऊपर लिखिया गद्यांश रै आधार माथै नीचै लिज़्या सवालां रा पडूज़र दिरावौ -

1. राजस्थानी संत परज़्परा किज़ी जूनी है ? समझाओ।

2. ''हरि भजै सो हरि को होय'' – रो कांई अरथ है ?

3. संतवाणी रो लोक जीवण में कांई महत्व है ?

4. जात-पांत अर धरम री संकळाई अर आडज़्बरां माथै गहरी चोट कुण करी।

5. ऊपर लिखिया गद्यांश रो शीर्षक सुझावौ।

SECTION - II

खण्ड—II

This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 Marks)

इण खण्ड मांय पन्दरै (15) सवाल है। हरेक सवाल रौ जवाब लगैटगै तीस (30) सबदां मांय देवौ। हरेक सवाल पांच (5) अंकां रौ है।

(5x15=75 अंक)

6. राजस्थानी सन्त-परज़्परा मांय गुरू रा महत्व रौ प्रतिपादन करो।

7. राजस्थानी री आधुनिक महिला रचनाकारां माथै एक टीपणी लिखो।

8. आधुनिक राजस्थानी काव्य में पर्यावरण सास्वं सारगर्भित आलेख लिखो।

9. ढूंढाड़ी बोली रा क्रिया विसेसणां माथै टीपणी लिखो।

10. चरणदासी संप्रदाय री ओळखांण करो।

11. राजस्थानी कहांणी मांय नारी-चेतना रौ विवेचन करो।

12. लोक-विश्वास अर शकुन पर एक टीप लिखो।

13. लाज तो रैसी नरां!

आतम रै आपाण

ना रहै

नारी रै नथ घालियां।

कवि री आं ओळ्यां में जको भाव अर संदेश है, उणनै आखरां ढाळो।

14. किणी पांच राजस्थानी लोकवादयां रौ साररूप में परिचै दो।

15. राजस्थानी काव्य मांय काळ रो चितराम।

16. राजस्थानी रौ छायावादी काव्य।

17. राजस्थानी री अतुकान्त कविता।

18. राजस्थानी कविता मांय सावण री महज़ा।

19. राजस्थानी रो गीति काव्य।

20. राजस्थानी रा कारक परसर्ग।

SECTION - III

खण्ड—III

This section contains five (5) questions of twelve (12) marks each. Each question is to be answered in about 200 words.

(12x5=60 marks)

इण खण्ड मांय पांच (5) सवाल है। हरेक सवाल रौ जवाब लगैटगै दो सौ (200) सबदां मांय देवौ। हरेक सवाल बारह (12) अंकां रौ है।

(12x5=60 अंक)

21. लोक-कथावां मांय पाबूजी रा व्यक्तित्व री ओळखं करो।

22. राजस्थानी लोक साहित्य री परिभासा देतां थकां उणरो क्षेत्र निर्धारित करो।

23. राजस्थानी कविता मांय सामाजिक समरसता माथै सोदाहरण विवेचन करो।

24. 'मेवे रा रुंख' नांव री सार्थकता बताय नै इण उपन्यास रै कथा-शिल्प री परख करो।

25. 'हूं गोरी किण पीव री' उपन्यास री मूळ समस्या रो विवेचन करो।

SECTION - IV

खण्ड—IV

This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40 marks)

इण खण्ड मांय चाळीस (40) अंकां रौ अेक निबन्धात्मक सवाल है जिणरौ जवाब, निज़्नलिखित विसयां मांय सूं फगत अेक रौ, लगैटगै अेक हजार (1000) सबदां मांय देवौ।

(40x1=40 अंक)

26. (क) राजस्थानी नाथ-साहित्य।

(ख) ईसरदास।

(ग) आधुनिक राजस्थानी निबंध-साहित्य।

(घ) राजस्थानी लोक-गीतां में पंखेरू।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....